Ans. (a) : एल्फीसोल्स मृदा राजस्थान के अलवर, भरतपुर, जयपुर दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, बांसवाड़ा भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ बूंदी टोंक इत्यादि जिलो में विस्तृत है। यह मृदा वर्ग पूर्ण रूप से विकसित है तथा इसमें आर्जिलिक मृदा संस्तर पाया जाता हैं।

302. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में 'इन्सेप्टीसोल्स मृदा' पायी जाती है?

(a) कोटा, बूंदी और बारां
(b) पाली, भीलवाड़ा और सिरोही
(c) जयपुर, दौसा और अलवर
(d) जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (b) : इनसेप्टीसोल्स मृदा वर्ग अरावली पहाड़ियों की तलहटी में अलवर, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा जिलों में पाई जाती है। यह मृदा अर्द्धशुष्क से आर्द्र जलवायु तक के क्षेत्र में पायी जाती है।

303. कौन सी मृदा को ऊसर, रेह, अल्कलाईन आदि के रूप में भी जाना जाता है?

(a) भूरी मिट्टी (b) लाल मिट्टी
(c) लवणीय मिट्टी (d) जलोढ़ मिट्टी

संगणक भर्ती परीक्षा- 2018 (5 मई, 2018)

Ans. (c) लवणीय/नमकीन मृदा को ऊसर, रेह, अल्कालाईन आदि के रूप में भी जाना जाता है। ये मिट्टी शुष्क जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में विकसित हुई है। रेगिस्तानी मिट्टी के क्षेत्रों की तुलना में थोड़ी अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इस स्थिति में केशिका क्रिया द्वारा सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के लवण मिट्टी के ऊपरी परत पर जमा हो जाते हैं। गंगानगर, भरतपुर व कोटा जिलों में अधिक सिंचाई वाले भागों में भी लवणीय मिट्टीयाँ पाई जाती है।

304. जिप्सीफेरस मिट्टी राजस्थान के किस जिले में मिलती है?

(a) बीकानेर
(b) कोटा
(c) करौली
(d) डूंगरपुर

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (a) : जिप्सीफेरस मिट्टी राजस्थान के बीकानेर जिले में पाई जाती है। इस मिट्टी में जिपसम एवं लोहे की मात्रा सर्वाधिक पाई जाती है।

305. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है-

(a) उदयपुर-चित्तौड़गढ़---लाल-काली मिट्टी
(b) अलवर-जयपुर-दोमट मिट्टी
(c) श्रीगंगानगर -हनुमानगढ़-भूरी बलुई मिट्टी
(d) कोटा-झालावाड़-काली मिट्टी

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (c) राजस्थान में भूरी बलुई मिट्टी मुख्य रूप से सीकर, चुरू, झुंझुनू, नागौर, पाली, जालौर में विस्तृत है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन एवं कार्बनिक पदार्थों की कमी एवं फास्फेट तत्वों की प्रधानता पायी जाती है। इस मिट्टी में ज्वार, बाजरा, मक्का, ईसबगोल, जीरा, मेंहदी, सरसों, जौ, गेहूँ का उत्पादन होता है। अन्य सभी विकल्प सुमेलित है।

306. पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है।

(a) पीली-भूरी
(b) धूसर-भूरी (ग्रे-ब्राउन) जलोढ़
(c) लाल दोमट
(d) गहरी मध्यम काली

सहायक सांख्यिकी अधिकारी, 2018

Ans. (a) : पीली-भूरी रेतीली मिट्टी पाली, नागौर, अजमेर जिलों में पाई जाती है। इसे सीरोजम तथा स्टेपी मिट्टी भी कहते हैं। इस मिट्टी में रेत व दोमट मिट्टी का मिश्रण होता हैं इसे स्टेपी मृदा भी कहा जाता हैं यह कृषि के लिए उत्तम मृदा है।

307. मृदा संरक्षण की प्रमुख विधि कौन सी नहीं है?

(a) फसल चक्रीकरण
(b) रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग
(c) पट्टीदार कृषि
(d) पशुचारण पर नियंत्रण

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (b) : रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मृदा संरक्षण की विधि नहीं है। मृदा अपरदन की मात्रा को कम करने के लिए किया जाने वाला प्रभावशाली कार्य मृदा संरक्षण कहलाता है। मृदा संरक्षण की प्रमुख विधियां हैं–

- वन संरक्षण
- वृक्षारोपण
- फसल चक्रीकरण
- पट्टीदार कृषि
- पशुचारण पर नियंत्रण

308. निम्नलिखित को मिलाएं-

सूची-I (मृदा राजस्थान)		**सूची-II (जिले)**
(a) लाल रेतीली मिट्टी	(i)	पाली, सिरोही, सीकर, झुंझुनू
(b) पीली, भूरी रेतीली मिट्टी	(ii)	नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर
(c) लवणीय मिट्टी	(iii)	नागौर, पाली
(d) भूरी रेतीली मिट्टी	(iv)	नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चुरू और झुंझुनू